आइआइटी, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान व माइक्रोसॉफ्ट ग्रुप में एमओयू

आइआइटी पटना में हाइब्रिड मोड में सीएस व बिजनेस मैनेजमेंट की पढ़ाई

अवसर

संवाददाता ▷ पटना

आइआइटी पटना हाइब्रिड मोड में कंप्यूटर साइंस (सीएस) व बिजनेस मैनेजमेंट में कुल छह स्नातक कोर्स शुरू करने जा रहा है. अक्तूबर महीने से उक्त कोर्स शुरू होगा. जल्द ही इन कोर्स में नामांकन प्रक्रिया शुरू की जायेगी. इसको लेकर आइआइटी पटना, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान व माइक्रोटेक एजुकेशनल सोसाइटी में शुक्रवार को होटल मौर्य में एमओयू साइन किया गया. आइआइटी की ओर से निदेशक प्रो टीएन सिंह, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान की ओर से निदेशक प्रो डॉ राणा सिंह व माइक्रोटेक सोसाइटी की ओर से महासचिव नीरज राजहंस ने एमओयू पर साइन किया. एमओयू के बाद आइआइटी पटना के निदेशक प्रो टीएन सिंह ने कहा कि उक्त कोर्स रोजगार की दृष्टि से डिजाइन किया गया है और यह ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन मोड में भी चलेगा. जो छात्र किसी कारणवश आइआइटी में नहीं पढ़ पाते हैं, उक्त कोर्स के माध्यम से उन्हें यह मौका मिलेगा. यह कोर्स नयी शिक्षा नीति के मापदंडों के अनुसार डिजाइन है. किसी दूसरे कोर्स को करते हुए छात्र उक्त कोर्स को कर सकेंगे. दोनों स्ट्रीम्स के प्रत्येक कार्यक्रम में कुल 250 छात्रों का प्रवेश होगा. यानी छात्रों की संख्या 6 एकेडमिक प्रोग्राम में कुल मिला कर 1500 होगी. साथ ही साथ छात्रों के लिए प्रत्येक वर्ष, प्रवेश एवं निकास का तथा पुनः प्रवेश लेने का अवसर भी उपलब्ध रहेगा. विद्यार्थियों को क्रेडिट बैंक की सुविधा मिलेगी. जल्द ही इस तरह के और भी कोर्स होंगे शुरू.

अब तक का यूनिक प्रोग्राम

आइआइटी, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान व माइक्रोटेक एजुकेशनल में एमओयू हुआ साइन.

प्रो डॉ राणा सिंह ने कहा कि पाठ्यक्रम की संरचना को आइसीएआइ, आइसीएसइ, सीआइएमए, एसीसीए जैसे फ्रेमवर्क की आवश्यकता के अनुरूप बनाया गया है. यह बिजनेस मैनेजमेंट के क्षेत्र में यह 3 वर्षीय प्रोग्राम अपने करिकुलम के हिसाब से भारत में अब तक का यूनिक प्रोग्राम है. बिजनेस मैनेजमेंट प्रोग्राम की विशेषता यह है कि कोई भी डे स्कॉलर्स जो किसी अन्य एकेडमी प्रोग्राम में इनरॉल्ड हैं, वह अपनी स्किल्स को समृद्ध करने के लिए बिना किसी परेशानी के इन नये अकादमिक कार्यक्रमों का लाभ उठा सकते हैं. माइक्रोटेक एजुकेशनल सोसाइटी के महासचिव नीरज राजहंस ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, मशीन लर्निंग कैरियर के अवसरों के द्वार खोल रहे हैं.

एडमिशन प्रक्रिया

इन अकादमिक कार्यक्रमों में अध्ययन के लिए प्रवेश के लिए कई चैनल हैं जैसे – जेइइ मेन, सीयूसीइटी, एनटीएसइ, केवीवाइपी, इंस्पायर, स्टेट लेवल एंट्रेंस, आइआइटीपी – एसएटी का वैलिड स्कोर.

ये कोर्स हो रहे हैं शुरू

कंप्यूटर साइंस (सीएस) बीएससी (ऑनर्स) : कंप्यूटर साइंस एंड डेटा एनालिटिक्स (सीएसडीए)
बीएससी (ऑनर्स) : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी (एआइसीएस)
बीएससी (ऑनर्स) : गणित और कंप्यूटर विज्ञान (एमसीएस)
बिजनेस मैनेजमेंट बीएससी (ऑनर्स) : लेखा और वित्तीय प्रबंधन (एएफएम)
बीएससी (ऑनर्स) : बिजनेस मैनेजमेंट एंड एनालिटिक्स (बीएमए)
बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक (बीबीए)

Prabhat Khabar ! Page.No-04 ! Dated : 20-08-2022

आइआइटी से हाइब्रिड कोर्स

आइआइटी ने सीआइएमपी के साथ मिलकर सीएसव बिजनेस मैनेजमेंट के कोर्स किया लांच

patna@inext.co.in

PATNA (19 Aug) : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), पटना ने चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआइएमपी) के साथ मिलकर कंप्यूटर साइंस एवं बिजनेस मैनेजमेंट के छह कोर्स को हाइब्रिड मोड में लांच किया. इसके लिए आइआइटी की ओर से निदेशक प्रो. टीएन सिंह, माइक्रोटेक एडुकेशनल सोसायटी के नीरज राजहंस व सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने समझौता ज्ञापन पर संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए. इसके तहत अब आइआइटी की ओर से हाइब्रिड मोड में कंप्यूटर साइंस के बीएससी स्नातक स्तर के कोर्स कंप्यूटर साइंस एंड डेटा एनालिटिक्स (सीएसडीए), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी (एआइसीएस), गणित और कंप्यूटर विज्ञान (एमसीएस) तथा बिजनेस मैनेजमेंट में लेखा और वित्तीय प्रबंधन (एएफएम), बिजनेस मैनेजमेंट एंड एनालिटिक्स (बीएमए) एवं बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक (बीबीए) कोर्स शामिल है.

कंप्यूटर साइंस एवं बिजनेस मैनेजमेंट का हाइब्रिड कोर्स लांच करते आइआईटी व सीआइएमपी के निदेशक.

आइआइटी के डीन एकेडमिक प्रो. एके ठाकुर ने बताया कि इसमें नामांकन जेईई मेन, सीयूसीईटी, एनटीएसई, केवीवाइपी, इंस्पायर, स्टेट लेवल एंट्रेंस, आइआइटीपी-एसएटी के वैलिड स्कोर से होगा. कोर्स के लिए सामान्य छात्रों से 75 हजार रुपये एवं एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक व ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को 60 हजार रुपये देने होंगे.

मिलेगी प्लेसमेंट की सुविधा

नीरज राजहंस ने बताया कि हर कोर्स में 250-250 छात्रों का नामांकन होगा. सभी छात्रों को पेड इंटर्नशिप की सुविधा मिलेगी. साथ ही प्लेसमेंट की भी सुविधा दी जाएगी. आइआइटी निदेशक ने बताया कि छात्रों को छात्रवृत्ति भी मुहैया कराई जाएगी.

ग्लोबली मान्य होगा स्कोर

निदेशक प्रो. टीएन सिंह ने बताया कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत पूरे पाठ्यक्रम को विशेष रूप से डिजाइन किया गया है. हर वर्ष के लिए स्कोर निर्धारित है. यह स्कोर पूरे विश्वभर में मान्य होंगे. इससे पटना के छात्रों को विदेशों में भी पढ़ने के बेहतर अवसर मिल सकेगा.

I-Next ! Page.No-02 ! Dated:20-08-2022

हाइब्रिड मोड में कंप्यूटर साइंस व बिजनेस मैनेजमेंट के छह कोर्स कराएगा आइआइटी

सीआइएमपी के साथ लांच किए तीन वर्षीय कोर्स, सभी में 250 का नामांकन

जागरण संवाददाता, पटना : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), पटना ने चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआइएमपी) के साथ मिलकर कंप्यूटर साइंस एवं बिजनेस मैनेजमेंट के छह कोर्स को हाइब्रिड मोड में लांच किया। इसके लिए आइआइटी के निदेशक प्रो. टीएन सिंह, माइक्रोटेक एडुकेशनल सोसायटी के नीरज राजहंस व सीआइएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने समझौता पर हस्ताक्षर किए। अब आइआइटी हाइब्रिड मोड में कंप्यूटर साइंस

के बीएससी स्तर के कोर्स कंप्यूटर साइंस एंड डेटा एनालिटिक्स (सीएसडीए), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी (एआइसीएस), गणित और कंप्यूटर विज्ञान (एमसीएस) तथा बिजनेस मैनेजमेंट में लेखा और वित्तीय प्रबंधन (एएफएम), बिजनेस मैनेजमेंट एंड एनालिटिक्स (बीएमए) एवं बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक (बीबीए) कोर्स कराएगा। डीन एकेडमिक प्रो. एके ठाकुर ने बताया कि इसमें नामांकन जेईई मेन, सीयूसीईटी, एनटीएसई, केवीवाइपी, इंस्पायर के वैलिड स्कोर से होगा।

पेड इंटर्नशिप के साथ प्लेसमेंट की सुविधा : नीरज राजहंस ने बताया कि हर कोर्स में 250-250 छात्रों का नामांकन होगा। सभी छात्रों को पेड इंटर्नशिप की सुविधा मिलेगी। साथ ही प्लेसमेंट की भी सुविधा दी जाएगी। आइआइटी निदेशक ने बताया कि छात्रों को छात्रवृत्ति भी मुहैया कराई जाएगी।

एनईपी के तहत मिलेगा क्रेडिट प्वाइंट ग्लोबली मान्य होगा स्कोर : नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत पाठ्यक्रम को डिजाइन किया गया है। हर वर्ष के लिए स्कोर निर्धारित है। यह स्कोर विश्व में मान्य होंगे। इस पाठ्यक्रम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग आदि क्षेत्र में गहन जानकारी मिलेगी।

Dainik Jagran ! Page.No-04 ! Dated:20-08-2022

आईआईटी पटना से ऑनलाइन कर सकेंगे स्नातक स्तरीय 6 कोर्स

पटना, मुख्य संवाददाता। देशभर के छात्र आईआईटी पटना से तीनवर्षीय पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर स्नातकस्तरीय डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। यह कोर्स ऑनलाइन कर सकते हैं। समस्या समाधान के लिए ऑफलाइन कक्षाएं भी होंगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संरचनाओं का अनुपालन करते हुए आईआईटी पटना और चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान ने ऐसे पाठ्यक्रम तैयार किये हैं जो छात्रों में उद्योग कौशल का प्रशिक्षण देंगे।

कंप्यूटर साइंस और प्रबंधन से जुड़े कुल छह ऐसे पाठ्यक्रम तैयार किये गए हैं, जिनमें पेड इंटर्नशिप और प्लेसमेंट का अवसर भी होगा। छात्र अगर एक वर्ष की पढ़ाई कर बीच में छोड़ देते हैं तो सर्टिफिकेट कोर्स का प्रमाण पत्र दिया जाएगा, दो वर्ष की पढ़ाई पर डिप्लोमा, जबकि तीन वर्ष पर स्नातकस्तरीय प्रमाण पत्र मिलेगा। छात्र बाद में फिर से इस कोर्स में पढ़ाई शुरू कर सकते हैं।

40 व 50 हजार रुपए होगा प्रति सेमेस्टर शुल्क: निदेशक प्रो. टीएन सिंह ने बताया कि इन छह तरह के पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्र अगर तीन वर्षीय डिग्री कोर्स को पूरा करते हैं तो उन्हें आईआईटी पटना के एलुमनाई का दर्जा मिलेगा। कंप्यूटर सांइस से जुड़े कोर्स का शुल्क प्रति सेमेस्टर 40 हजार जबकि प्रबंधन से जुड़े कोर्स का शुल्क प्रति सेमेस्टर 50 हजार रुपये तय किये गये हैं।

वैश्विक मानकों पर तैयार हुआ पाठ्यक्रम

आईआईटी पटना के निदेशक प्रो. टीएन सिंह ने बताया कि हर विद्यार्थी का क्रेडिट बैंक तैयार किया जाएगा। छात्र जब दोबारा दाखिला लेकर तीन वर्षीय पाठ्यक्रम को पूरा करना चाहेंगे तो संस्थान के पास पूरा ब्यौरा उपलब्ध रहेगा। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने बताया कि प्लस टू पास छात्रों के लिये औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखकर ये कोर्स विकसित किये गये हैं। दोनों संस्थान के निदेशकों ने होटल मौर्या में आयोजित कार्यक्रम में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर इन पाठ्यक्रमों को जल्द शुरू करने की बात कही। मौके पर सीआईएमपी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार, डॉ. राजीव वर्मा, डॉ. आसिफ इकबाल और अन्य लोग मौजूद थे।

■ आईआईटी पटना और चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आईआईटी पटना की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान करार के बाद सीआईएमपी और आईआईटी पटना के निदेशक।

कंप्यूटर से जुड़े कोर्स

- बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस एंड डेटा एनालिस्ट
- बीएससी (ऑनर्स) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्यूरिटी
- बीएससी (ऑनर्स) गणित और कंप्यूटर विज्ञान

मैनेजमेंट से जुड़े कोर्स

- बीएससी (ऑनर्स) लेखा और वित्तीय प्रबंधन
- बीएससी (ऑनर्स) बिजनेस मैनेजमेंट एंड एनालिटिक्स
- बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक

दाखिला इन माध्यमों से | जेईई मेन, सीयूसीईटी, एनटीएसई, केवीआईपी, इंस्पायर, स्टेट लेवल एंट्रेस, आईआईटीपी-एसएटी

तीन-तीन कोर्स प्रबंधन व कंप्यूटर पाठ्यक्रम के

आईआईटी पटना के अकादमिक संकायाध्यक्ष प्रो. एके ठाकुर ने कहा कि तीन पाठ्यक्रम कंप्यूटर साइंस से जुड़े होंगे, जबकि तीन पाठ्यक्रम बिजनेस मैनेजमेंट के हैं। हर पाठ्यक्रम में कुल 250 छात्रों का दाखिला होगा। प्रो. ठाकुर ने बताया कि आईआईटी में ये तीन वर्षीय अंडरग्रेजुएट कार्यक्रम प्लस टू पास आउट छात्रों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिये डिजाइन किया गया है। जिन्होंने आईआईटी द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का सपना देखा है लेकिन जेईई एडवांस जैसी परीक्षाओं में सफल होने से चूक गए हैं। हाइब्रिड माध्यम से संचालित होने वाले इस कोर्स में माइक्रोटेक एजुकेशन सोसाइटी का भी सहयोग लिया जा रहा है।

Hindustan (Hindi) ! Page.No-04 ! Dated:20-08-2022

आईआईटी, सीआईएमपी और माइक्रोटेक में एमओयू

छह नए कोर्स में बिना जेईई मेन पास किए ले सकेंगे प्रवेश

ये नए कोर्स| कम्प्यूटर साइंस में कंप्यूटर साइंस एंड डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी और बिजनेस मैनेजमेंट में कंप्यूटर विज्ञान और लेखा, वित्तीय प्रबंधन, बिजनेस और मैनेजमेंट एंड एनालिटिक्स।

सिटी रिपोर्टर| पटना

आईआईटी पटना में बिना जेईई मेन एडवांस और गेट की परीक्षा पास किए नामांकन ले सकेंगे। इसके लिए सीआईएमपी और माइक्रोटेक के साथ मिलकर छह नए हाइब्रिड कोर्स की पढ़ाई शुरू करने जा रहा है। दो नए स्ट्रीम में कम्प्यूटर साइंस और बिजनेस मैनेजमेंट में तीन-तीन विषयों की पढ़ाई कर सकेंगे। कम्प्यूटर साइंस में कंप्यूटर साइंस एंड डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड साइबर सिक्योरिटी और बिजनेस मैनेजमेंट में कंप्यूटर विज्ञान और लेखा, वित्तीय प्रबंधन,बिजनेस और मैनेजमेंट एंड एनालिटिक्स की पढ़ाई कर सकेंगे। शनिवार को आईआईटी, पटना, सीआईएमपी और माइक्रोटेक के बीच एमओयू हुआ। यह जानकारी शुक्रवार को आईआईटी पटना के निदेशक प्रोफेसर टीएन सिंह, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ राणा सिंह और माइक्रोटेक के जनरल सेक्रेटरी नीरज राजहंस ने संयुक्त रूप से दी।

आईआईटी पटना के निदेशक प्रोफेसर टीएन सिंह ने कहा कि कई छात्र-छात्राएं जेईई एडवांस में चयनित नहीं हो पाते हैं। इसके कारण साल दर साल कोचिंग करने और दोबारा तैयारी करने के कर्ज के बोझ में दबते चले जाते हैं। उनके लिए आईआईटी पटना ने छह नए कोर्स की शुरुआत की है। इसकी पढ़ाई ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से होगी। सीयूईटी, एनटीएसई,सैट, इंस्पायर स्टेट लेवल एंट्रेंस आईआईटीपी के स्कोर के आधार पर भी आईआईटी में नामांकन ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि सबसे खास बात यह है कि किसी दूसरे विषय की पढ़ाई करते हुए इन विषयों की पढ़ाई कर सकेंगे। एक साल पर सर्टिफिकेट, दूसरे साल में डिप्लोमा और तीसरे साल की पढ़ाई करने पर डिग्री मिलेगी। एक साल की पढ़ाई छोड़ने के बाद दोबारा पढ़ाई कर सकेंगे। यही नहीं छह महीने का पेड इंटरशिप की भी व्यवस्था होगी। छात्र-छात्राएं इंटर्नशिप के बाद कंपनियों में जॉब भी मिल जाएगा।

सीआईएमपी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राणा सिंह ने कहा कि दोनों ही स्ट्रीम में 250 छात्र-छात्राओं के साथ छह कोर्स में 1500 छात्र-छात्राएं नामांकन ले सकेंगे। मौके पर एकेडमिक प्रोफेसर डीन एके ठाकुर, सीआईएमपी के प्रशासनिक पदाधिकारी कुमुद कुमार कोर्स से संबंधित बातें रखी।

Dainik Bhaskar ! Page.No-08
Dated:20-08-2022